इतिहास

प्राचीन भारतः

प्राचीन भारतीय इतिहास जानने के स्रोतः पुरातात्विक स्रोत, पुरालेख शास्त्र, मुद्राशास्त्र, साहित्यिक स्रोत यात्रा–वृतान्त। मानव का उद्विकासः पुरापाषाण, मध्यपाषाण एवं नवपाषाण युग।

सिन्धु घाटी की सभ्यताः उद्गम ,तिथि, विस्तार, विशेषताएं और पतन।

वैदिक युगः समाज का उद्विकास, अर्थव्यवस्था, धर्म एवं राजव्यवस्था; वैदिक साहित्य।

सोलह महाजनपद और मगध साम्राज्य का अभ्युदय

नवीन धर्मों का युगः जैन एवं बौद्ध मत– उनकी मुख्य शिक्षाएं, विस्तार एवं पतन।

विदेशी आक्रमणः ईरान तथा मकदूनिया के प्रभाव।

मौर्य साम्राज्यः मौर्य साम्राज्य की नींव– चन्द्रगुप्त मौर्य, बिन्दुसार, अशोक तथा उसका धम्म, मौर्य प्रशासन, समाज एवं अर्थव्यवस्था, कला, और मौर्यो साम्राज्य का पतन।

मौर्योत्तर भारतः हिन्द–यवन, शक, कुषाण, पह्लव तथा पश्चिमी क्षत्रपः समाज, कला एवं स्थापत्य, अर्थव्यवस्था।

सातवाहन; संगम युग –संगम साहित्य; सम्राट खारवेल

गुप्त साम्राज्यः स्थापना–श्रीगुप्त, चन्द्रगुप्त प्रथम, समुद्र गुप्त, चन्द्रगुप्त द्वितीय (विक्रमादित्य), स्कन्दगुप्त और उत्तरवर्ती गुप्त सम्राट; विस्तार तथा पतन, प्रशासन, समाज एवं संस्कृति; कला एवं स्थापत्य, व्यापार, जाति व्यवस्था, शिक्षा व्यवस्था– नालन्दा, विक्रमशिला तथा वल्लभी विश्वविद्यालय; विदेशों से सम्बन्ध।

वाकाटकः मौखरी; हर्ष–युगः उसकी राजनैतिक तथा धार्मिक उपलब्धियां ।

नवीन शक्तियों का अभ्युदय– बादामी के चालुक्य, कदम्ब; प्रशासन, वैष्णव एवं शैव मत–शंकराचार्य।

कल्याणी के चालुक्य, चोल; होयसल, पाड्य एवं पल्लव–प्रशासन तथा स्थानीय शासन; कला एवं स्थापत्य; अर्थव्यवस्था एवं व्यापार, श्री लंका तथा दक्षिण पूर्व एशिया से सम्बन्ध।

कामरूप के वर्मन और पाल, प्रतिहार, राष्ट्रकूट, परमार, चंदेल, कल्चुरी, चेदि, सेन; गुजरात के चालुक्य, इस्लान का आक्रमण– मुहम्मद–बिन–कासिम, महमूद गजनी, अल्बेरूनी।

मध्यकालीन भारत–

स्रोतः पुरातात्विक स्रोत, पुरालेख एवं मुद्राशास्त्र, स्मारक, साहित्यिक स्रोत– फारसी, संस्कृत और क्षेत्रीय भाषाएं, विदेशी यात्रीयों के अभिलेख।

सल्तनत काल– गौरी, तुर्क, खिलजी, तुगलक, सैय्याद और लोदी। प्रशासन, अर्थव्यवस्था और समाज– स्त्रियों की दशा, संस्कृति, कला और स्थापत्य, धार्मिक आन्दोलन– सूफी और भक्ति आन्दोलन, शिक्षा एवं साहित्य, दिल्ली सल्तनत का पतन एवं क्षेत्रीय शक्तियों का अभ्युदय।

विजयनगर और बहमनी राज्य– उनका विस्तार, प्रशासन, समाज और संस्कृति, अर्थव्यवस्था और स्थापत्य, साहित्य, पतन के कारण।

मुगलों का आरोहण– बाबर से औरंगजेब तक और उत्तरवर्ती मुगल, अफगान–अन्तराल– शेरशाह सूरी और उसके सुधार।

मुगल प्रशासन– भू–सुधार, मनसबदारी और जागीरदारी व्यवस्था, अर्थव्यवस्था, व्यापार एवं वाणिज्य– आन्तरिक तथा बाह्य, समाज तथा संस्कृति, कला एवं स्थापत्य– हिंद–मुगल स्थापत्य; चित्रकला, संगीत; साहित्य– फारसी, संस्कृत तथा क्षेत्रीय भाषाएं।

मुगल साम्राज्य का विघटन– कारण।

शिवाजी और मराठा शक्ति का अभ्युदय– मराठा संघ– विस्तार, प्रशासन, समाज एवं संस्कृति, मराठा शक्ति का पतन।

आधुनिक भारत–

स्रोत– पुरातात्विक और अभिलेखीय सामग्री– सिक्के एवं इमारतें, साहित्य– यूरोपीय एवं भारतीय जीवनवृत्त तथा संस्मरण, यात्रावृत्तान्त, समाचारपत्र, मिशनरी सहित्य।

औपनिवेशिक शक्तियों का आगमन तथा ब्रिटिश साम्राज्य का अभ्युदय एवं सुदृढीकरण, यूरोपीय व्यापारी तथा अन्तर–औपनेवेशिक प्रतिस्पर्धा– पुर्तगाली, डच, अंग्रेज तथा फ्रांसीसी।

ईस्ट इंडिया कम्पनी के प्रमुख भारतीय राज्यों के साथ सम्बन्ध– बंगाल, अवध, हैदराबाद, मैसूर, मराठा तथा सिक्ख।

ईस्ट इंडिया कम्पनी तथा ताज के आधीन प्रशासन– कम्पनी के अधीन केन्द्रीय तथा प्रान्तीय प्रशासन का विकास (1773–1853); परमोच्च शक्ति, सिविल सेवा, न्याय–व्यवस्था, पुलिस तथा सेना।

ब्रिटिश शासन में अर्थव्यवस्था– अर्थव्यवस्था का बदलता परिदृश्य, 'दि ट्रिब्यूट'; कृषि का विस्तार एवं वाणिज्यीकरण, अकाल एवं महामारी, भू–अधिकार, भू–व्यवस्था, ग्रामीण ऋणग्रस्तता, हस्तशिल्प का अधःपतन,

ब्रिटिश औद्योगिक नीति; प्रमुख उद्योग; फैक्ट्री अधिनियम, श्रमिक एवं मजदूर संघ के आन्दोलन।

मौद्रिक नीतिः बैंक व्यवस्था, रेल तथा भूतल परिवहन।

संक्रमणाधीन भारतीय समाजः ईसाई धर्म–आगमन, मिशनरी गतिविधियाँ तथा जनसामान्य को तत्तसम्बन्धी लाभः शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक– स्वास्थविज्ञान।

ब्रिटिश शासन के अन्तर्गत शैक्षणिक व्यवस्था।

भारतीय पुनर्जागरण– सामाजिक–धार्मिक आन्दोलन और इसके मुख्य प्रवर्तक।

प्रिटिंग प्रेस का अभ्युदय– पत्रकारिता सम्बन्धी गतिविधियाँ, तथा जनमत निर्माण में इसकी सहभागिता।

स्वाधीनता संघर्षः भारतीय राष्ट्रवाद का उद्भवः राष्ट्रीय आन्दोलन का सामाजिक एवं आर्थिक आधार।

1857 का विद्रोहः कारण एवं परिणामः–विभिन्न आन्दोलन– जनजातीय एवं कृषक आन्दोलन को समाहित करते हुए।

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का जन्म तथा विकास– प्रारम्भिक वर्ष– 1885–1920।

वामपंथी दल तथा भारत में वामपंथी राजनीति।

स्वदेशी आन्दोलन– बंग–भंग, देश तथा विदेश में भारतीय क्रान्तिकारियों की गतिविधियां।

गाँधी तथा गाँधीवादी आन्दोलन।

दलित समाज से सम्बन्धित आन्दोलन, जस्टिस पार्टी, अम्बेडकर , पेरियार। साम्प्रदायिक राजनीति का अभ्युदय तथा जिन्ना का उद्भव।

आजाद हिन्द फौज तथा सुभाष चन्द्र बोस।

स्वतन्त्रता प्राप्ति की ओर एवं भारत का विभाजन। भारतीय संविधान का निर्माण,

राष्ट्रीय आन्दोलन में उत्तराखण्ड का योगदान।

विश्व का इतिहासः

विश्व इतिहास का परिचय

प्रारम्भिक समाज– आरंभिक समय से भूमिका; अफ्रीका, यूरोप 15000 ई0पू0 तक,

प्रारम्भिक शहरः ईराक, तीसरी सहस्राब्दि ई0पू0

साम्राज्यः भूमिका, तीन महाद्वीपों में फैला रोमन साम्राज्य 27 ई0पू0 से 600 ई0पू0।

मध्य इस्लामिक भूमिः 7वीं से 12वीं ई0 तक

आदिवासी साम्राज्यः मंगोल 13वीं से 14वीं ई0 तक।

परिवर्तित परम्पराएंः भूमिका, तीन आदेश, पश्चिमी यूरोप, 13वीं से 16वीं ई0 तक

14वी. से 17वीं सदी तक यूरोप में परिवर्तनशील सांस्कृतिक परम्पराएं।

यूरोप में क्रांतियां– फ्रांसिसी क्रांति, रूसी क्रांति।

सांस्कृतिक संघर्षः 15वीं से 18वीं सदी तक अमेरिका।

आधुनिकीकरण की ओरः भूमिका, औद्योगिक क्रान्ति और कृषि क्रांति।

मूल निवासियों का विस्थापनः उत्तरी अमेरिका और आस्ट्रेलिया 18वीं से 20वीं सदी तक।

आधुनिकीकरण की ओरः पूर्वी एशिया 19 वीं सदी के पश्चात् से 20 वीं सदी।

प्रथम एवं द्वितीय विश्व युद्ध के मध्य यूरोप।

महामंदी तथा न्यू डील।

नाजीवाद तथा फासीवाद

चीन में साम्यवाद का प्रभाव– कुओमिन्टांग तथा माओ की लम्बी पदयात्रा। सयुंक्त राष्ट्र संघ शीत युद्ध तथा शक्ति संतुलन,

गुटनिरपेक्ष आन्दोलनः स्वातंत्रयोत्तर भारत की वैदेशिक नीति।